क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था?
(रोमियों 2:16)

रोमियों 2:16 – “उस दिन जब मेरे सुसमाचार के अनुसार, परमेश्वर मसीह यीशु के द्वारा मनुष्यों के गुप्त कामों का न्याय करेगा।” (इंजिल का 2011 संस्करण)

उत्तर:

पहली नजर में, रोमियों 2:16 में पौलुस द्वारा “मेरा सुसमाचार” शब्द का प्रयोग यह संकेत दे सकता है कि उनके पास अन्य प्रेरितों से अलग या विशेष सुसमाचार था। हालांकि, संदर्भ और शास्त्र की व्यापक शिक्षाओं पर ध्यान देने से यह स्पष्ट हो जाता है: पौलुस ने कोई अलग सुसमाचार नहीं प्रचारित किया, बल्कि वही सुसमाचार प्रचारित किया जिसे सभी प्रेरितों को सौंपा गया था — जो यीशु मसीह के जीवन, मृत्यु और पुनरुत्थान पर आधारित था।

1. एक ही सुसमाचार, एक ही उद्धारकर्ता

पौलुस का सुसमाचार सामग्री में अलग नहीं था, लेकिन उन्होंने इसे “मेरा सुसमाचार” कहा क्योंकि उन्होंने इसे व्यक्तिगत रूप से प्राप्त किया था और इसकी जिम्मेदारी उनके ऊपर थी। गलातियों 1:11–12 में पौलुस यह स्पष्ट करते हैं कि जो सुसमाचार उन्होंने प्रचारित किया, वह मानव निर्मित या किसी से प्राप्त नहीं था:

क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था?
(रोमियों 2:16)

“मैं तुमसे यह जानना चाहता हूं, भाईयों, कि जो सुसमाचार
मैंने तुमसे प्रचारित किया, वह मनुष्य का सुसमाचार नहीं है। क्योंकि मैंने उसे किसी मनुष्य से नहीं प्राप्त किया, न ही
उसे किसी से सिखाया, बल्कि यीशु मसीह के द्वारा मुझे यह खुलासा हुआ।” (गलातियों 1:11-12, हिंदी बाइबल)

यह वही सुसमाचार था जिसे पतरस, याकूब, यूहन्ना और अन्य प्रेरितों ने भी प्रचारित किया। सभी ने एक ही सत्य का गवाह दिया: उद्धार केवल यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा, केवल अनुग्रह से होता है (इफिसियों 2:8–9), जो हमारे पापों के लिए मरे, दफनाए गए और तीसरे दिन शास्त्रों के अनुसार पुनरुत्थित हुए (1 कुरिन्थियों 15:3–4)।

2. पौलुस ने “मेरा सुसमाचार” क्यों कहा?

पौलुस का “मेरा सुसमाचार” शब्द का प्रयोग कुछ महत्वपूर्ण वास्तविकताओं को दर्शाता है:

व्यक्तिगत जिम्मेदारी और आह्वान – पौलुस को विशेष रूप से अन्यजातियों का प्रेरित बनने के लिए आह्वान किया गया था (रोमियों 1:5; गलातियों 2:7–9)। यह सुसमाचार वह संदेश था जिसे उन्होंने जीया, प्रचारित किया, इसके लिए दुख सहा और

क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था?
(रोमियों 2:16)

अपने जीवन से इसे संरक्षित किया (2 तीमुथियुस 1:11–12)।
झूठे सुसमाचार से भेद – पौलुस के समय में, और आज भी, कई झूठे शिक्षक एक विकृत सुसमाचार प्रचारित करते थे – वे अनुग्रह के सरल सुसमाचार में काम, अनुष्ठान या परंपराएं जोड़ते थे। पौलुस ने इस बारे में गलातियों 1:6–9 में कड़ी चेतावनी दी:

“मैं हैरान हूं कि आप इतनी जल्दी उसे त्याग रहे हो, जिसने
आपको मसीह की अनुग्रह से बुलाया, और एक दूसरे सुसमाचार की ओर मुड़ गए, जबकि कोई और सुसमाचार नहीं है, सिवाय इसके कि कुछ
लोग आपको परेशान कर रहे हैं और मसीह के सुसमाचार को विकृत
करना चाहते हैं।” (गलातियों 1:6–7, हिंदी बाइबल)

पौलुस ने इसे “मेरा सुसमाचार” कहा ताकि वह इन भ्रष्ट संस्करणों से स्पष्ट भेद कर सकें और उस सच्चे प्रेरित सुसमाचार को उजागर कर सकें जिसे उन्होंने सीधे मसीह से प्राप्त किया था।

3. सुसमाचार न्याय का मापदंड है

रोमियों 2:16 में, पौलुस यह गंभीर दावा करते हैं कि परमेश्वर मसीह यीशु के द्वारा सभी लोगों के गुप्त कामों का न्याय करेंगे, और यह सुसमाचार के अनुसार होगा। यह कुछ गहरे धार्मिक सत्य को

क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था?
(रोमियों 2:16)

उजागर करता है:

परमेश्वर का न्याय निष्पक्ष और व्यापक होगा (रोमियों 2:6–11)। यह केवल बाहरी आचरण का मूल्यांकन नहीं करेगा, बल्कि हृदय की छिपी हुई मंशाओं और विचारों का
भी मूल्यांकन करेगा (इब्रानियों 4:12–13 देखें)।
यीशु मसीह को न्याय के लिए नियुक्त किया गया है (प्रेरितों के काम 17:31)। वही मसीह जो उद्धार के लिए आए थे, वही वापस आएंगे और न्याय करेंगे।
सुसमाचार केवल अनुग्रह का निमंत्रण नहीं है, बल्कि जिम्मेदारी की घोषणा भी
है। सुसमाचार को अस्वीकार करना उद्धार के एकमात्र साधन को अस्वीकार करना है (यूहन्ना 14:6; प्रेरितों के काम 4:12)।

इसलिए पौलुस का यह कहना है कि हर किसी को सुसमाचार के प्रति उनके उत्तर के आधार पर न्याय किया जाएगा, चाहे उन्होंने मसीह को विश्वास से स्वीकार किया हो या नकारा हो।

4. प्रेरितों के संदेश की एकता

हालाँकि पौलुस का मिशन क्षेत्र (मुख्यतः अन्यजातियों के बीच) अद्वितीय था, फिर भी उनका संदेश अन्य प्रेरितों के साथ पूरी तरह से मेल खाता था। हम इसे स्पष्ट रूप से इन पदों में देख सकते हैं:

“चाहे मैं हूं या वे, हम सब यही प्रचारित करते हैं, और तुमने यही विश्वास किया।” (1 कुरिन्थियों 15:11, हिंदी बाइबल)

क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था?
(रोमियों 2:16)

“पौलुस और बर्नबास ने पतरस, याकूब और यूहन्ना से साझेदारी का दाहिना हाथ प्राप्त किया, ताकि हम अन्यजातियों के बीच प्रचारित करें और वे यहूदियों के बीच।” (गलातियों 2:9, हिंदी बाइबल)

नवीन नियम की लेखनी में सुसमाचार की एकता बनी रही, जो अब बाइबल में संकलित है — हमारे विश्वास और जीवन के लिए प्राधिकृत मानक।

5. आधुनिक दृषटिकोन

पौलुस के समय की तरह, आज भी कई लोग एक “अलग यीशु” या “अलग सुसमाचार” प्रचारित करते हैं — एक ऐसा सुसमाचार जो समृद्धि, रहस्यवाद, कार्य-आधारित धार्मिकता, या सामाजिक सुधार पर केंद्रित होता है, जिसमें मसीह का क्रूस केंद्र में नहीं होता। ये उद्धार नहीं कर सकते।

पौलुस ने ऐसी विकृतियों के बारे में चेतावनी दी:

“यदि कोई आकर उस यीशु को प्रचारित करे, जिसे हम ने प्रचारित नहीं किया, या यदि तुम एक अन्य आत्मा प्राप्त करो… या एक
अन्य सुसमाचार… तो तुम उसे सहजता से सहन कर लेते हो।” (2

क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था?
(रोमियों 2:16)

कुरिन्थियों 11:4, हिंदी बाइबल)

आज भी, जैसे तब था, केवल यीशु मसीह का सत्य सुसमाचार — जो प्रेरितों के माध्यम से प्रकट हुआ और शास्त्रों में दर्ज किया गया — उद्धार ला सकता है और न्याय के दिन खड़ा रह सकता है।

निष्कर्ष

पौलुस ने कोई अलग सुसमाचार नहीं प्रचारित किया, लेकिन उन्होंने इसे ईश्वरीय अधिकार और व्यक्तिगत विश्वास के साथ प्रचारित किया। जब उन्होंने “मेरा सुसमाचार” कहा, तो वे एकमात्र सत्य सुसमाचार की अपनी निष्ठा और जिम्मेदारी का समर्थन कर रहे थे — वही सुसमाचार जो हर मानव हृदय का न्याय करेगा।

हम भी इस सुसमाचार को मजबूती से थामे रहें, बिना शर्म के और अडिग, और इसे एक ऐसी दुनिया में स्पष्ट रूप से प्रचारित करें जो भ्रम और समझौते से भरी हुई है।

“क्योंकि मैं मसीह के सुसमाचार से शर्मिंदा नहीं हूं, क्योंकि वह विश्वास करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के लिए परमेश्वर की

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

क्या पौलुस के पास अन्य प्रेरितों से अलग सुसमाचार था? (रोमियों 2:16)

शक्ति है…” (रोमियों 1:16, हिंदी बाइबल)

मसीह में तुम्हारे लिए अनुग्रह और शांति हो।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp